

हैं। अभी तक करीब 20 हजार जो शरणार्थी हैं जिन को बसाना बाकी है, उन के लिए जगह और इलाकों में खोज कर के और जमीन बनौ रह तैयार करके बसाने की कोशिश की जा रही है।

**श्री बलराज मधोक :** अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था कि जहां बसाने की कोशिश कर रहे हैं वह उन के लिए सूटबल नहीं है। तो उत्तर भारत में ही उन को बसाने की कोशिश करेंगे ?

**श्री ब० रा० भगत :** मैंने जैसा बताया कि इन इलाकों में जैसी जमीन चाहिए और जो राज्य सरकारों से उस के लिए सुविधा चाहिए, वह नहीं मिल रही है। इसलिए मैसूर सरकार से बात की। वहां की सरकारों से बात कर के सब कुछ इंतजाम कर के तब उन को कहीं बसाया जाता है।

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** जो लोग मैसूर में बसे हैं वह कुछ समय पहले मुझ से मिलने आये थे। उन्होंने तो कहा कि वह खुशी से वहां बसे ह।

#### चतुर्थ पंचवर्षीय योजना

- +
- \*724. श्री राम चरण :  
श्री भोगेन्द्र झा :  
श्री रवि राय :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग ने चतुर्थ पंच-वर्षीय योजना अप्रैल, 1969 से आरम्भ करने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार को पहले ही विश्व बैंक तथा अमरीकी सरकार से इस बारे में सुझाव मिल गए थे ?

**बैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राध्म मंत्री (श्री ब० रा० भगत):** (क) और (ख). इस

विषय में 6 दिसम्बर, 1967 को सभा की मेज पर रखे गये विवरण की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

(ग) जी, नहीं।

**श्री राम चरण :** जैसा कि मंत्री जी ने बताया है चौथी पंचवर्षीय योजना उस आधार पर है जो कि 1969 में चालू होगी तो एक तो यह तीसरी योजना बजाय पंच वर्षीय योजना के सप्त वर्षीय योजना हो जायगी और दूसरे यह है कि दो साल का जो समय यह है इस में जितना स्टाफ है, वह खाली बैठे हुआ है, उन के पास कोई योजना नहीं है प्लानिंग कमिशन में अनेकों कर्मचारियों को मुफ्त की तनखाह दी जा रही है हालांकि उन के पास काम नहीं है और वह एक-एक फाइल को लेकर 6-6 महीने बैठे रहते हैं मसलन् रिसर्च आफिसर्स वहां पर बिलकुल सरप्लस हैं तो उन को अगर रिट्रैक्ट कर दिया जाय तो सरकार को कितने धन की बचत हो सकती है ?

**श्री ब० रा० भगत :** यह बात गलत है कि उन के पास काम नहीं है। इस की पहले ही छान बीन की गई थी और आवश्यकता से अधिक आदमी उनको दिये नहीं गये हैं।

**श्री राम चरण :** वहां पर काफी सरप्लस आदमी हैं और जैसा मैंने कहा एक-एक आदमी 6-6 महीने फाइल लिये बैठा रहता है और अगर मंत्री चाहें तो ऐसे कर्मचारियों के नाम भी मैं उन को बतला सकता हूं ?

**श्री ब० रा० भगत :** अगर नाम बतलायेंगे तो मैं इस बारे में देखूंगा।

**श्री राम चरण :** रिसर्च आफिसर्स के काम के बारे में क्या आप ने कोई स्टडी ग्रुप कायम किया है जो कि इस की जांच करे ?

**श्री ब० रा० भगत :** मैं वही तो कह रहा था कि कुछ दिन पहले ही इस बात पर काफी छानबीन की गई थी कि प्लानिंग कमिशन के स्टाफ में कितने आदमी हैं, कितने आदमियों की जरूरत है। बाकी जहां तक चौथी पंच-

वर्षीय योजना का सावध है वह योजना सन् 69 से शुरू होगी लेकिन यह कहना कि अभी उन को काम नहीं है यह ठीक बात नहीं है। जैसा कि बतलाया गया था अभी वार्षिक योजना बन रही है, इस साल की बनी है और अभी भी राज्य सरकारों से बातचीत चल रही है इसलिए योजना कोई समाप्त नहीं हुई है, योजना का कार्य चल रहा है और इसलिए जैसा कि माननीय सदस्य समझते हैं उस में लोगों के बेकार बैठने का सवाल नहीं होता है।

श्री सरजू पाण्डेय : अभी जो वक्तव्य दिया गया है उस में यह कहा गया है कि यह लड़ाई के कारण और अन्न की कमी के कारण हमारी वार्षिक स्थिति पर बहुत बोझ पड़ा और उस से योजना के काम में देरी हुई, पिछली लड़ाई के दौरान जो सरकार ने कर लगाये और उसकी बजह से जो पैसा मिला वह भी गया और योजनाएं भी काटी गयीं तो मैं जानना चाहता हूँ कि आखिर लड़ाई में कितना रुपया खर्च हुआ जिसकी वजह से हमारी योजना के ऊपर बुरा प्रभाव पड़ रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : लड़ाई में जो कुछ खर्चा हुआ उस की अलग से तफ़्तील मेरे पास नहीं है लेकिन डिफेंस बजट अगर देखेंगे तो उस से अनुमान लगा सकते हैं कि यह सब से बड़ी बात कि लड़ाई के कारण असर पड़ा वह यह है और जैसा कि माननीय सदस्यों को याद होगा कि सारे उन देशों ने जो हमें विदेशी मुद्रा की सहायता करते थे वह सहायता करनी उन्होंने रोक दी, उन्होंने कर्जा बगैरह, एक्सटरनल लोन बगैरह सब रोक दिया और इस सदन में भी यह बात उठी थी कि हम इस योजना को ऐसा रूप दें कि हमारी सरकार को बाहर के देशों का सहारा लेने के लिए इंतजार न करना पड़े। इस दृष्टि से योजना को नया रूप देने की बात चली और उस पर उस दृष्टि से विचार करने की आवश्यकता पड़ी और उस की बजह से उस के ऊपर असर पड़ा।

SHRI SRADHAKAR SUPAKAR: May I know whether the pace of progress of the

country has slowed down since the publication of the Draft Fourth Five Year Plan? May I also know whether while formulating the Fourth Five Year Plan beginning from 1969, the priorities and allocations would not be seriously disturbed ?

SHRI B. R. BHAGAT: The slowing down has been due to the factors indicated in the statement made here earlier.

श्री स्वतंत्र सिंह कोठारी : माननीय प्रधान मन्त्री ने अपने स्टेटमेंट में यह कहा है कि रिसोर्स के हिसाब से वह प्लान को आगे बढ़ाएंगी। तो मेरा कहना यह है कि यदि सरकारी उद्योग धंधे ठीक से और कुशलतापूर्वक चलें, तो उन से सरकार को प्लान के लिये रिसोर्स अबेलेबल हो सकेंगे। तो पब्लिक सेक्टर के उद्योग धंधों की क्षमता बढ़ाने के लिये मंत्री महोदय या सरकार ने क्या विचार किया है, क्या कदम अभी तक उस ने उठाये हैं या उठाने के बारे में सोच रहे है ?

श्री ब० रा० भगत : सब से बड़ी बात यह है कि जो पूंजी लगी हुई है और धंधे हैं वह ठीक से चलें। रिसोर्स की बजह से कई दिक्कतें हो गयी थीं। अब सरकार द्वारा कोशिश की जा रही है कि उन दिक्कतों को दूर करके उद्योग धंधों को कुशलतापूर्वक चलाया जाये तभी और पूंजी वापिस आयेगी।

SHRI G. S. REDDY: Have all the State plans been received by the Centre ?

SHRI B. R. BHAGAT: The time schedule has been ready, and the consultation will go on till the end of this month, and by the end of this month, the State Plans are going to be finalised.

श्री श्रीचन्द्र गोयल : मैं यह जानना चाहता हूँ कि तृतीय पंचवर्षीय योजना के पूर्ण होने के बाद बेकारों की संख्या का क्या अनुमान लगाया गया है और इस चौथी योजना का प्रारूप तैयार करते समय हम ने इस बात की क्या योजना की है कि यह बेकारों की संख्या किसी न किसी मात्रा में कुछ कम की जाये ?

श्री ब० रा० भगत: अभी इस के लिए सूचना मिलने की जरूरत है क्योंकि यह तफसील की बात है।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : मैं यह जानना चाहता हूँ कि पिछले प्रधान मन्त्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री ने आगामी पंचवर्षीय योजनाओं के सम्बन्ध में यह कहा था कि हमें ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए जिन योजनाओं का रिटर्न जल्दी हम को मिल सके तो चतुर्थ पंचवर्षीय योजना का प्रारूप तैयार करते समय क्या सरकार उस को नीति के रूप में स्वीकार कर लिया है और दूसरी बात यह कि जिलों में जो छोटी-छोटी योजनाएं चल रही थीं इन दो वर्षों में उन योजनाओं का क्या भविष्य रहेगा ?

श्री ब० रा० भगत: चौथी पंचवर्षीय योजना की रूपरेखा तैयार करते हुए उस में इस बात को स्वीकार किया गया था कि अब जो नई योजना बनेगी उस में इन बातों पर खास जोर दिया जायेगा।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री: जिलों की योजना भी कुछ है ?

श्री ब० रा० भगत: जी हाँ, जिलों की भी योजना है, डिस्ट्रिक्ट प्लांस उस के लिए हैं।

श्री महाराज सिंह भारती : तीसरी योजना के समाप्त होने के बाद जो तीसरी योजना के लक्ष्यों की पूर्ति नहीं हो पाई थी और इस बीच में यह चौथी योजना शुरू हो गई तो हम को यह कई साल जो अभी मिले हैं तो क्या इन सालों में उस तीसरी योजना के बकाया लक्ष्यों की पूर्ति हो जायेगी ?

दूसरे जो चौथी योजना हम बनाने जा रहे हैं और जो अब तक बहस चलती रही है कि कितने की बने और कितने ही न बने, यह सब चलता रहता है तो मैं जानना चाहता हूँ कि पुरानी जो एक रूपरेखा आई थी चौथी योजना की, चौथी योजना उन्हीं रूपरेखाओं के हिसाब से होगी या उस को बिलकुल नये सिरे से और नये ढंग से बनाया जा रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : तीसरी योजना के लक्ष्यों की पूर्ति में जो कमी रह गयी थी उस के लिए यह सब से पहला कर्त्तव्य होता है आगे की योजना का, चौथी योजना का कि उन कमियों के पूरा करने के क्या उपाय किये जायें।

श्री महाराज सिंह भारती : चौथी योजना नहीं बल्कि उस के पहले जो यह दो, तीन साल रहते हैं उन में तीसरी योजना के बकाया लक्ष्यों की पूर्ति होगी या नहीं ?

श्री ब० रा० भगत: उन की पूर्ति करना पहला कर्त्तव्य होता है। अनाज के उत्पादन के लक्ष्य की पूर्ति में जो कमी रह गयी थी उस धोर सब से पहले प्राथमिकता देनी चाहिए। उसके लक्ष्य में जो कमी रह गयी है वह पूरी हो। बाकी जहाँ तक योजना के प्रारूप का सवाल है उस में 30 हजार 5 सौ करोड़ रुपये की योजना थी लेकिन अब चूंकि परिस्थिति बदल गयी है, प्लानिंग कमिशन भी बदल गया है इसलिए अब नये रूप से इस पर सोचा जायेगा कि उसका क्या रूप होगा लेकिन उसे इस समय बतलाना कठिन है।

श्री ब० ना० कुरील: अभी तक जो योजनाएं चलती रही हैं उन में केवल साधन युक्त लोगों को ही लाभ हुआ है तो जो योजना बनेगी उसमें क्या इस बात का भी ध्यान रखा जायेगा कि जो साधनहीन लोग देश में हैं उन को भी लाभ पहुंचे ?

श्री ब० रा० भगत: यह बहुत जरूरी चीज है और इस पर अवश्य ध्यान दिया जायेगा।

SHRI S. KUNDU: Sometime ago the Prime Minister made a statement in the House setting out the reasons why the Fourth Plan has been shelved. In that she mentioned the Pakistani aggression, drought etc. The point is that instead of the Fourth Plan, we are now having three yearly plans. Are Government sure that in future also such calamities as drought or aggression will not be there ? Therefore, is that the real reason for shelving the Plan ? Is it not a fact that

the entire onus for the shelving of the Plan lies on the Congress Party for their indecision and inaction, that they could not decide upon what would be the policy behind the Plan and therefore to the detriment of the entire country's interests the Plan was shelved?

**SHRI B. R. BHAGAT:** It is not true to say that the Plan was shelved. The Prime Minister did not say that in her statement. What was said was that because of aggression the external resources were affected due to stoppage of aid and because of the drought the internal resources were vitally affected. These completely threw the entire resources aspect of the Plan out of gear. Therefore, the Plan has not been shelved nor postponed, but a new strategy of development has been evolved through annual plans. We are in a period of consolidation so that we may preserve and protect....(laughter). The hon. Member may laugh, but facts cannot be ignored...

**SHRI S. KUNDU:** We had a figure of Rs. 21,000 crores....

**SHRI B. R. BHAGAT:** I am answering the hon. Member. What is being attempted is to....

**SHRI PILOO MODY:** Find excuses.

**SHRI B. R. BHAGAT:** ...preserve and protect what has been achieved so that when the Fourth Plan is launched, we are able to make up the loss and go forward on the expected rate of growth.

**SHRI PILOO MODY:** Will they at least have the cost of the champagne bottle with which to launch it?

श्रीमती सुरशीला रोहतगी: प्रपने सीमित साधनों को ध्यान में रखते हुए तथा सुरक्षा व अन्न उत्पादन की योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए—क्या सरकार ऐसा प्रयत्न करेगी कि इनके लिये उचित साधन उपलब्ध हो सकें? इन के लिये समाज कल्याण की जो बहुत सी योजनाएँ चल रही हैं, उनमें से कुछ काट कर क्या सरकार उन पर पुनः विचार करेगी तथा साक्षात् में धातम निर्भरता लाने के लिये क्या सरकार इनके लिये अधिक मात्रा में साधन उपलब्ध कराने की कोशिश करेगी?

श्री ब० रा० भगत: इन सारी बातों पर प्लानिंग कमीशन जरूर विचार करेगी।

**SHRI N. K. SOMANI:** Of late, there has been a tendency on the part of the Government of India to discuss and decide matters of vital importance outside this Parliament. When the decision to postpone the fourth plan was taken, Parliament was not consulted nor was a chance given to us to discuss it and take a decision. Another instance, which is of recent origin, was the way in which agricultural income-tax was decided upon outside the House. May I know why the Government is strengthening this tendency?

**SHRI B. R. BHAGAT:** Nothing new has been done.

**AN HON. MEMBER:** This is an old habit!

**SHRI B. R. BHAGAT:** The Plan has not been postponed, and whatever decision is taken by the National Development Council always comes to the House. As far as agricultural income-tax is concerned, no decision has been taken. It is being studied, and when it is necessary to ask the authority of the House, the Government will come forward. So, nothing new has been done.

श्री महाराज सिंह भारती: यह प्लान का चौथा बच्चा तीन साल बाद पैदा होगा—प्राप कहते हैं कुछ नया नहीं हुआ।

श्री रणधीर सिंह: क्या प्रगली योजना में शहर के बजाये देहात पर ज्यादा जोर होगा, इंडस्ट्रीज के बजाये एग्रीकल्चर पर ज्यादा एम्फेसिस डाला जायेगा, देहात में इलेक्ट्रिकफिकेशन, रूरल हाउसिंग और एग्रीकल्चर पर ज्यादा से ज्यादा रुपया खर्च किया जायेगा और जितना रुपया इन कामों के लिये पहले, दूसरे और तीसरे प्लान के लिये दिया गया है, उस से दुगुना रुपया एलोकेट किया जायेगा?

श्री ब० रा० भगत: देहात का जरूर ध्यान किया जायेगा। माननीय सदस्य के विचार हम प्लानिंग कमीशन को भेज देंगे।

**SHRI VIRENDRAKUMAR SHAH**  
rose—

**SHRI HEM BARUA:** Should a Member come to Parliament with a foreign cap?

**MR. SPEAKER:** They have presented to you and me also when we went there.

**SHRI VIRENDRAKUMAR SHAH :** It is as much Indian as the Haryana turban and other caps on the other side.

**MR. SPEAKER:** Each one of us who went to Nepal has got it.

**SHRI VIRENDRAKUMAR SHAH :** In the last seven or ten years there have been studied comments about planning in this country and also there have been comments that planning has not been as realistic as it should be, that planning has to be based on physical targets rather than monetary or financial targets. So, would the Government now make a very dispassionate and objective study instead of taking shelter under droughts, aggression etc., and look at the plan *de novo*, in a fresh way, and plan in a realistic way so that we achieve the desired results?

**SHRI B. R. BHAGAT:** If by "realistic" is meant that needs have to be married with resources or means, that was done, because when the plan of Rs. 21,500 crores was drawn up, an estimate of the resources was also made with which the national minimum results could be achieved.

**श्री शिव नारायण :** अध्यक्ष महोदय, हर प्रश्न के ऊपर हमारे दल को, कांग्रेस पार्टी को गालियां दी जाती हैं तो मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि—साइ० सी० एस० के लोगों के बनाये हुए प्लान के आधार पर नहीं, बल्कि हम को प्रेजिडेंटकी बतायें कि जब चौथी पंच वर्षीय योजना पूरी करेंगे तो उत्तर प्रदेश को जिसे पिछले तीन प्लानों में नैगलैक्ट किया गया है, उस की पूर्ति करेंगे या नहीं?

**SHRI PILOO MODY:** Sir, I object to any Congressman trying now to shift the blame on to the ICS. (*Interruption*). Finally, after they have run out of all excuses, now he wants to blame it on the ICS.

**श्री शिव नारायण :** हम बम्बई से नहीं आते हैं, हमारे यहां ब्लैक मनी नहीं है।

**श्री ब० रा० भगत :** यह पार्टी का प्लान नहीं है, यह प्लान पार्लियामेंट का बनाया हुआ है।

**श्री शिव नारायण :** अध्यक्ष महोदय, हमें जवाब नहीं मिला। पिछली तीन योजनाओं में उत्तर प्रदेश को टोटली नैगलैक्ट किया गया है, उस को पूरा करेंगे या नहीं?

**अध्यक्ष महोदय :** जवाब दिया है, भाई।

**श्री शिव नारायण :** अध्यक्ष महोदय, हम भी इस हाउस को रिप्रजेन्ट करते हैं, जनता हम से पूछती है? हमें साफ जवाब मिलना चाहिये।

**श्री ब० रा० भगत :** उत्तर प्रदेश या दूसरे जितने भी पिछड़े हुए प्रदेश हैं, उन पर पूरा ध्यान दिया जायेगा।

**SHRI INDRAJIT GUPTA:** In the statement which the hon. Prime Minister made on the 8th December, listing the reasons according to her, why it has become necessary to have this sort of Plan postponement or holiday, may I know why there is no mention in it at all of the devaluation of the rupee? Is it because they think that it will not have any effect? Secondly, in view of the fact that our planning has been dangerously overdependent on foreign aid, has the Minister's attention been drawn to yesterday's news that the United States Congress has decided to cut down foreign aid drastically, to what they call, on all-time low, and in view of this, does he still think that they will be able to start this fourth Plan again from 1969?

**SHRI B. R. BHAGAT:** Devaluation is not the reason for postponing the Plan because it does not in any way affect the resources position. That is the answer for the first part. As for the over-dependence on foreign loans, the strategy of our Plan is to progressively reduce the quantum of foreign aid that is necessary for development and growth. But even there, (*Interruption*), it is much less than in any other developing economy. What was there by way of aid, even that relates to the crucial period. The percentage may be as low as 10 percent or even less. But it is

enough because it goes to a very vital sector of the economy, and stoppage of this aid dislocates the entire Plan as such. That is the reason.

**SHRI S. R. DAMANI:** While welcoming the postponement of the Plan to 1969, I want to know whether the targets fixed in the draft Plan will be altered or be maintained, and whether consideration will be given to the public sector projects which are running with reduced capacity, whether they will get preference.

**SHRI B. R. BHAGAT:** The new Planning Commission is giving an entirely new look to this and it will come to its own conclusion about the target, the resources and the priorities.

भारत सेवक समाज को अनुदान

\*725. डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

श्री रामावतार शर्मा :

श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री राम गोपाल शालबाले :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारत सेवक समाज को किसी न किसी रूप में अनुदान देने का निश्चय किया है हालांकि लोक लेखा समिति ने इस संगठन की हाल में प्रालोचना की है;

(ख) क्या सरकार को इस बात का भी पता है कि कुछ सम्बन्धित व्यक्ति इस समाज के सेन-देन सम्बन्धी मामलों को दबाने का प्रयत्न कर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस सम्बन्ध में जांच करने का है ?

**THE DEPUTY MINISTER (DR. SAROJINI MAHISHI):** (a) No grant has been released to the Samaj since November 1966. Government have not yet taken any decision about future releases and are considering the latest report of the Public Accounts Committee received last month.

(b) No such complaint or allegation has come to notice.

(c) Does not arise.

डा० सूर्य प्रकाश पुरी : अध्यक्ष महोदय, भारत सेवक समाज की स्थापना पं० जवाहर लाल नेहरू ने जिस उद्देश्य से की थी, उस से हट कर वह अन्य कांग्रेसी समाज सेवी संस्थाओं के सदृश्य हो गया है। मैं जानना चाहता हूँ कि किस प्रकार का अनुदान भारत सेवक समाज को मिलता रहा है, उसी प्रकार का अनुदान अन्य और कितनी संस्थाओं को केन्द्र की ओर से मिलता रहा है। दूसरे—ऐसे कितने राज्य हैं, जिन्होंने भारत सेवक समाज को, जो अनुदान वह पहले दिया करते थे वह बन्द कर दिया है ? तीसरे—क्या भारत सेवक समाज ने पी० ए० सी० की रिपोर्ट पर अपनी तक अपनी टिप्पणी दी है या नहीं ?

**DR. SAROJINI MAHISHI:** It is a wrong impression that undesirable people are associated with the Bharat Sewak Samaj. The objective of the Samaj is very laudable, i.e. to provide employment to the people and to create voluntary services. Therefore, it is a wrong impression to think that undesirable people and matters are associated with this institution. Secondly, I require notice as to how many States have stopped giving aid to the Bharat Sewak Samaj.

Thirdly, he asked which other organisations similar to Bharat Sewak Samaj are receiving grant. The impression carried by the hon. Member is wrong, that all institutions which have got laudable objectives and which are meant for constructive work are receiving some aid.

डा० सूर्य प्रकाश पुरी : मेरे प्रश्न का एक भाग यह भी था कि पी० ए० सी० की रिपोर्ट के ऊपर भारत सेवक समाज ने अपनी टिप्पणी की है अथवा नहीं की है ?

**DR. SAROJINI MAHISHI:** The 34th Report of the PAC (Third Lok Sabha) and 9th Report of the PAC (Fourth Lok Sabha) deal with use of funds given to Bharat Sewak Samaj. The Department of